भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, राज्य इकाई :महाराष्ट्र, पुणे में हिंदी पखवाड़े के आयोजन पर प्रतिवेदन

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, राज्य इकाई: महाराष्ट्र, पुणे में दिनांक 6 सितंबर 2019 से 20 सितंबर 2019 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े का विधिवत उदघाटन दिनांक 06.09.2019 को श्री अरविंद कुमार सिंह, निदेशक एवं राजभाषा अधिकारी, डॉ. एम. एस. बोडस, निदेशक, डॉ. एस. के. देब, निदेशक, श्री पी. के. गजभिये, अधीक्षण भूवैज्ञानिक एवं श्रीमती शैलजा जनबंधु, अधीक्षण रसायनज्ञ द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। श्री अभीक सरकार, वरिष्ठ रसायनज्ञ ने कार्यक्रम का सूत्रसंचालन किया।

श्री अरविंद कुमार सिंह, निदेशक एवं राजभाषा अधिकारी ने हिंदी पखवाड़े के उदघाटन के अवसर पर सभी का स्वागत किया और हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत दिनांक 12.09.2019 को 'श्रम कानून (Labour Law) की जानकारी' विषय पर होनेवाली कार्यशाला की जानकारी दी और कहा कि इस हिंदी पखवाड़े में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा जिसकी जानकारी संबंधित संचालक देंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत होनेवाली प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़ कर भाग लेकर उसे सफल बनाने का आवाहन किया।

डॉ.एम.एस.बोडस, निदेशक ने अपने अनुभवों के माध्यम से हिंदी भाषा की महत्ता के बारे में जानकारी दी एवं कहा कि कोई भी अ-हिंदी भाषी हिंदी सीख सकता है बस उस मे हिंदी सीखने की चाह होनी चाहिए।

तदोपरांत सभी प्रतियोगिताओं के संचालकों ने अपनी - अपनी प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी दी।

दिनांक 12 सितंबर 2019 को 'श्रम कानून (Labour Law) की जानकारी' इस विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था। सर्वप्रथम श्री एम. एम. पवार, उपमहानिदेशक, राज्य इकाई:महाराष्ट्र ने श्री जय नारायण सिंह चौधरी, क्षेत्रीय श्रम आयुक्त (मध्य),पुणे का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। उसके बाद प्रमुख अतिथि ने विविध श्रम कानूनों (Labour Laws) के बारे मे सभी को अवगत कराया। उपमहानिदेशक महोदय ने अपने भाषण में कहा कि यह जानकारी सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लाभप्रद साबित होगी। श्री अरविंद कुमार सिंह, निदेशक एवं राजभाषा अधिकारी ने प्रमुख वक्ता श्री जय नारायण सिंह चौधरी, क्षेत्रीय श्रम आयुक्त का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का प्रमुख कार्य फील्ड से संबंधित है और इस कार्य को करने के लिए विविध श्रेणी के अर्धकुशल/अकुशल कार्मिकों एवं चालकों की जरूरत होती है। अत: उन्हें रखने के संदर्भ में दी गयी जानकारी के कारण इस कार्यशाला का महत्त्व और बढ़ जाता है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अनुरोध किया कि उन्हें इस संदर्भ में जो भी शंकाऐं हो उसे श्रम आयुक्त से पूछ कर दूर करें।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, राज्य इकाई: महाराष्ट्र, पुणे में हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित कार्यक्रम/प्रतियोगिताएँ और उनके विजेताओं के नाम निम्नानुसार है।

दिनांक	कार्यक्रम / प्रतियोगिता	संचालक	विजेताओं के नाम
6.09. 2019 शुक्रवार	हिंदी पखवाड़ा का उदघाटन समारोह	---	...
	तकनीकी सारांश लेखन (तकनीकी अधिकारियों के लिए)	डॉ. एम. एस. बोडस, निदेशक	प्रथम- श्रीमती ऋचा शर्मा, रसायनज्ञ द्वितीय- श्रीमती अनघा पट्टलवार, व.त.स. (भू) तृतीय- श्री जगदीश नंदन हिन्दयार, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
9.09.2019 सोमवार	तस्वीर क्या बोलती है?	श्री सुजित चक्रवर्ती, भूवैज्ञानिक	प्रथम- सुश्री पौशाली चटर्जी, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक द्वितीय- श्रीमती पारमिता दासरवार,वरिष्ठ भूवैज्ञानिक तृतीय- श्रीमती ऋचा शर्मा, रसायनज्ञ
11.09.2019 बुधवार	निबंध लेखन	श्री पी. के. गजभिये, अधीक्षण भूवैज्ञानिक	प्रथम- श्रीमती ऋचा शर्मा, रसायनज्ञ द्वितीय- सुश्री कस्तुरी पांडा, सहायक भूवैज्ञानिक तृतीय- श्री महेश भैसे, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक

12.09.2019 बृहस्पतिवार	'कार्यशाला' विषय : श्रम कानून की जानकारी	श्री जय नारायण सिंह चौधरी, क्षेत्रीय श्रम आयुक्त (मध्य), पुणे	-----
13.09.2019 शुक्रवार	श्रुतलेखन	डॉ. एम. एस. बोडस, निदेशक	प्रथम- श्रीमती ऋचा शर्मा, रसायनज्ञ द्वितीय- श्रीमती सरिता सैनी, रसायनज्ञ तृतीय- सुश्री पौशाली चटर्जी, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
16.09.2019 सोमवार	आशुभाषण	डॉ. एस. के. देब, निदेशक	प्रथम- श्रीमती मोनिका तारे, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक द्वितीय- श्रीमती संगीता परीडा, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक तृतीय- श्री विजय कुमार, एम. टी. एस.
17.09.2019 मंगलवार	आवेदन पत्र लेखन (एम. टी. एस. एवं चालकों के लिए)	श्री.एस. जी. देशपांडे, सहायक	प्रथम- श्री विजय कुमार, एम.टी.एस . द्वितीय- श्री साईनाथ मुंगल, एम.टी.एस . तृतीय- श्री अभिजीत गोरे, एम.टी.एस .
	टिप्पणी लेखन (लिए के कर्मचारियों)	श्री पी. एन. वेलेकर, भंडार अधिकारी	प्रथम- श्री सुधीर खुटवड, सहायक द्वितीय- श्री नितिन खटाटे, वेधन सहायक तृतीय- श्री संजीव कुमार दास, सहायक
18.09.2019 बुधवार	सस्वर कविता पाठ	श्रीमती कल्पना देशमुख, सेवानिवृत्त वरिष्ठ रसायनज्ञ	प्रथम- श्री सम्राट बर्मन, रसायनज्ञ द्वितीय- श्री सुजित चक्रवर्ति, भूवैज्ञानिक तृतीय- श्रीमती रिम्पिरेखा गोगोई, भूवैज्ञानिक
19.09.2019 बृहस्पतिवार	हिंदी प्रश्नोत्तरी	श्री अरविंद कुमार सिंह, निदेशक एवं डॉ. एस. के. देब, निदेशक	प्रथम- श्री पी.के.गजभिये, अधीक्षण भूवैज्ञानिक एवं श्री जगदीश नंदन हिन्दयार, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक द्वितीय- श्रीमती पारमिता दासरवार, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक एवं श्री एम.अलिबुर रहमान, भूवैज्ञानिक तृतीय- श्रीमती ऋचा शर्मा, रसायनज्ञ एवं श्री मनोज दलवी, चालक श्रेणी 1
20.09.2018 शुक्रवार	पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह	---	

दिनांक 20 सितंबर 2019 को हिंदी पखवाड़ा का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम माननीय गृहमंत्री, भारत सरकार, श्री अमित शाह जी एवं माननीय खान मंत्री, भारत सरकार श्री प्रल्हाद जोशी जी के संदेश क्रमश: श्रीमती पूर्णिमा कुँवर, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक एवं श्रीमती अमृता घोष, भूवैज्ञानिक द्वारा पठन किया गया।

हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति की सचिव श्रीमती शैलजा जनबंधु, अधीक्षण रसायनज्ञ ने कहा कि इस पखवाड़ा में आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में अधिकारी एवं कर्मचारी बढ़–चढ़ कर सहभागी हुए, जिसमें 'तस्वीर क्या बोलती है' एवं 'सस्वर कविता पाठ' इन दो प्रतियोगिताओं की काफी सराहना हुई। हिंदी पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए उन्होंने सभी को धन्यवाद दिया। आयोजन समिति के सदस्य श्री महेश भैसे, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक ने पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। तदोपरांत, उपमहानिदेशक महोदय, निदेशकों तथा अधीक्षण भूवैज्ञानिक एवं अधीक्षण रसायनज्ञ द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। जुलाई 2018 से जून 2019 के दौरान हिंदी में सराहनीय कार्य करने के लिए श्री पी. एन. वेलेकर, श्री नितिन खटाटे, श्री एस. आर. मेमाणे, श्री एस. आर. खुटवड एवं श्री अभिजीत गोरे को उपमहानिदेशक महोदय द्वारा प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

इसके बाद श्रीमती ऋचा शर्मा, रसायनज्ञ ने 'निबंध' एवं 'तकनीकी सारांश लेखन' प्रतियोगिताओं में, सुश्री पौशाली चटर्जी, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक ने 'तस्वीर क्या बोलती है' प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार से सराहे गए क्रमशः अपने निबंध, सारांश एवं तस्वीर के चित्रण का सभी के समक्ष पठन किया। श्री सम्राट बर्मन, रसायनज्ञ एवं श्रीमती रिम्पिरेखा गोगोई, भूवैज्ञानिक ने सस्वर कविता पाठ प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम एवं तृतीय क्रमांक से सम्मानित कविताएँ सबके समक्ष प्रस्तुत की जिसकी सभीने फिर से सराहना की।

'तस्वीर क्या बोलती है' प्रतियोगिता के संचालक एवं प्रतियोगिता में दी गयी तस्वीर के चित्रकार श्री सुजित चक्रवर्ती, भूवैज्ञानिक ने इस प्रतियोगिता के संचालन में उनके अनुभवों के बारे में बताया। हिंदी पखवाड़े के संबंध में श्री सैकत रॉय, भूवैज्ञानिक ने कहा कि यह पखवाड़ा काफी उत्साहपूर्ण था एवं इससे हिंदी में कार्य करने के लिए सभी को प्रेरणा मिलेगी और सभी को अगले साल के हिंदी पखवाड़े का इंतजार रहेगा।

श्री पी. के. गजभिये, अधीक्षण भूवैज्ञानिक ने सभी विजेताओं का हार्दिक अभिनंदन किया और उनके द्वारा संचालित निबंध प्रतियोगिता के बारे में अपने अनुभव बताएँ।

श्री एम. एम. पवार, उपमहानिदेशक, राज्य इकाई: महाराष्ट्र, ने हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह मे सभी का स्वागत किया एवं इसके सफल आयोजन लिए कार्यालय के राजभाषा अधिकारी, आयोजन समिति की सचिव एवं सभी सदस्योंका अभिनंदन किया तथा सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने जयपुर में आयोजित 'अखिल भारतीय तकनीकी एवं राजभाषा संगोष्ठी' में कार्यालय के अधिकारियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सभी प्रतिभागियों की सराहना की। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि राज्य इकाई महाराष्ट्र पुणे का यह कार्यालय 'ख' क्षेत्र में आने वाला अधिसूचित कार्यालय है, अतः हिंदी में काम करना सभी की जिम्मेदारी है। हमारे कार्यालय की तरफ से हिंदी में कार्य करने के लिए बढ़ावा देने हेतु जिन को जरूरत है उन्हें प्रशिक्षण दिया गया या दिया जा रहा है जिसकी वजह से कार्यालयीन कामकाज में हिंदी का उपयोग काफी बढ़ गया है। उन्होंने हाल ही में हुई राजभाषा अधिकारियों के विडिओ कॉन्फरन्स की गत तिमाही की समीक्षा रिपोर्ट के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि, पुणे कार्यालय ने सभी बिंदुओं पर अच्छा कार्य किया है सिर्फ मूल पत्राचार का प्रतिशत बढ़ाने की जरूरत है जो कि सभी के सम्मिलित प्रयासों से प्राप्त किया जा सकता है।

श्री अरविंद कुमार सिंह, निदेशक एवं राजभाषा अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि, यह पखवाड़ा बहुत ही जोशपूर्ण रहा है। इस साल 'सस्वर कविता पाठ' प्रतियोगिता एवं 'तस्वीर क्या बोलती है' प्रतियोगिता को काफी सराहा गया और सभी इसमें स्वयंस्फूर्ति से सहभागी हुए। इस पखवाड़ा में विभिन्न प्रतियोगिताओं को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए उन्होंने सभी संचालकों का धन्यवाद दिया। इस साल जयपुर में आयोजित 'अखिल भारतीय तकनीकी एवं राजभाषा संगोष्ठी' में पुणे कार्यालय से 9 तकनीकी लेख प्रस्तुत किए गए और कार्यालय को अधिकतम सहभागिता के लिए पुरस्कृत किया गया। इस संगोष्ठी में हिंदी भाषी के साथ अ-हिंदी भाषी अधिकारियों का प्रदर्शन भी काफी सराहनीय था। तदोपरांत, उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा में प्रशिक्षण हेतु शेष अधिकारियों/कर्मचारियों को कार्यालय द्वारा प्रशिक्षण दिलवाया जा रहा है। उन्होंने, सभी को ज्यादातर कार्य हिंदी में करने के लिए आवाहन किया। अंत में, उन्होंने हिंदी पखवाड़े में सहभागी होकर इसे सफल बनाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

वैज्ञानिक सर्वेक्षण
काई : महाराष्ट्र, पुणे
पखवाड़ा
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
1851

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
1851

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
राज्य इकाई : महाराष्ट्र, पुणे
दिनांक : 06 - 20 सितंबर

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
राज्य इकाई : महाराष्ट्र, पुणे

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
राज्य इकाई : महाराष्ट्र, पुणे
दिनांक : 06 - 20 सितंबर

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
राज्य इकाई : महाराष्ट्र, पुणे
तंबर 2019

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
राज्य इकाई : महाराष्ट्र, पुणे

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण